श्यामा अपने प्रेमी नु सताना नहियो चाहिदा

श्यामा अपने प्रेमी नु सताना नहियो चाहिदा
निकी निकी गल रुस जाना नहियो चाहिदा

असा कदो रोकया सी मखणा नु खान ते
कुंज गली दे विच रास रचान ते
प्रेम बडाके छुपाना नहियो चाहिदा
श्यामा.........

असा तेरे खातिर छड़या घर बार नु
यमुना बहाने आये तेरे दीदार नु
घर घर असा लोरो लाना नहियो चाहिदा
श्यामा.........

जो तेरा दिल चाहे कर वे अनीतीया
किसे नु ना दसागी साडे नाल बितीया
ताने सुन सुन घबराना नहियो चाहिदा
श्यामा..........

मारदे ने म्हणे श्यामा अपने ते गैर वे
केह्डी गल दा है तेरा साडे नाल बैर वे
लगन लगाके तरसाना नहियो चाहिदा

श्यामा............

Source:
https://www.bharattemples.com/shyama-apne-premi-nu-satana-nahiyo-chahida/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw